

आज

बेबाक

इसे कहते हैं विनाश काले विपरीत बुद्धि। आतंकिस्तान खुद ही खुदकुशीस्तान बनने पर आमादा हो गया है। पीओके में उसने आतंकियों काजमावड़ा लगाना शुरू कर दिया है। आतंकिस्तान की फौज भी वहां डेरा डाल रही है। कायरीस्तान सीधे जंग की हिम्मत नहीं कर सकता इसलिए वह कश्मीर घाटी में बड़ी संख्या में आतंवादियों की घुसपैठ कराने की साजिश कर रहा है। कश्मीर में सक्रिय आतंकियों का भारतीय सेना सफाया कर रही है। उसकी जगह लेने आतंकिस्तान से जो भी दहशत गर्द सरहद पार आया वह सीधे जहनुम भेज दिया जाएगा। बहुत जल्द पीओके में जगह जगह कब्रिस्तान ही नजर आएगा।

खास खबर

गोताबाया राजपक्षे होंगे श्रीलंका के राष्ट्रपति

कोलंबो, । श्रीलंका के पूर्व रक्षा मंत्री एवं श्रीलंका पीपुल्स फ्रंट के उम्मीदवार गोताबाया राजपक्षे देश के अगले राष्ट्रपति होंगे। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए कल मतदान हुआ। रविवार को अब तक हुई मतगणना में श्री राजपक्षे 50.7 फीसदी मतों के साथ सबसे आगे हैं जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी साजित प्रेमदासा को 43.8 फीसदी मत मिले हैं। इसी दौरान श्री राजपक्षे की पार्टी ने एक बयान जारी कर राष्ट्रपति चुनाव में जीत का दावा किया और शांतिपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया वहीं श्री प्रेमदासा ने चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है।

जजपाल सिंह के विधायक बने रहने पर खतरा!

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। पवई से भाजपा विधायक प्रह्लाद लोधी के बाद अब अशोकनगर से कांग्रेस विधायक जजपाल सिंह की विधायक बने रहने पर संकट है। जजपाल सिंह पर आरोप है कि उन्होंने बार बार अपनी जाति बदलकर चुनाव लड़ा है और विधायक बन गए। फिलहाल उनकी जाति का मामला हाईकोर्ट में है। हाईकोर्ट की

बार-बार जाति बदलकर चुनाव लड़ने का आरोप

भाजपा के प्रह्लाद लोधी के बाद अब अशोकनगर से कांग्रेस विधायक जजपाल सिंह की विधायकी पर संकट

छानबीन कमेटी समिति कर रही जांच

विधायक जजपाल पर लगे आरोपों के बाद राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने ओबीसी और अजमा दोनों ही प्रमाण पत्रों को फर्जी और फुटपिठ बताकर खारिज कर दिया है। फिलहाल मामला हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद फिर समिति के सामने आया है। कोर्ट ने जजपाल को सुनवाई का एक अवसर देने का निर्देश तो दिया है और 20 नवंबर तक वक्त दिया था।

जजपाल सिंह पर लगे आरोप

जजपाल सिंह 1994-1999 तक सामान्य सीट से जनपद पंचायत सदस्य रहे।

1999 में उन्होंने एससी सीट से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा।

दिसंबर 1999 में ही ओबीसी के आधार पर अशोकनगर नगरपालिका अध्यक्ष चुने गए।

2013 में फिर एससी कोटे से अशोकनगर सीट से चुनाव लड़ा।

अयोध्या : फैसले पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड दायर करेगा पुनर्विचार याचिका, कहा मंजूर नहीं कहीं और जमीन

लखनऊ (ए.)। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने रविवार को अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार याचिका दायर करने का ऐलान कर दिया। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा है कि हमें बाबरी मस्जिद के बदले 5 एकड़ की जमीन मंजूर नहीं है। एआईएमपीएलबी की बैठक में यह फैसला लिया गया कि मस्जिद के लिए कोई दूसरी जमीन मंजूर नहीं है। कहा गया कि हमें वही जमीन चाहिए जिसकी लड़ाई लड़ी गई। लखनऊ में पर्सनल लॉ बोर्ड ने मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कई बिंदुओं पर सवाल उठाए।

जस्टिस नजीर की जान को खतरा, मिली 'जेड' सुरक्षा

अयोध्या मामले में फैसला सुनाने वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच में शामिल जस्टिस एस अब्दुल नजीर और उनके परिजनों को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी। केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है। खुफिया एजेंसियों ने कई संगठनों से उनकी जान को खतरा बताया था। वे अयोध्या मामले पर गठित पांच सदस्यीय पीठ के सदस्य थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस को जस्टिस नजीर और उनके परिवार को सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिला मुख्यालय से करीब 26 किलोमीटर दूर एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। बड़वानी के पास ग्राम मंडवाड़ा में तेज गति से जा रहे ट्रॉला और कार की आमने-सामने हुई भिड़ंत में कार में सवार एक बच्ची सहित एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा इस हादसे में 1 शख्स घायल हो गया। हादसे का शिकार हुए सभी लोग अंबेडक के राजपुर रोड के रहने वाले थे। राजपुर पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब यह लोग कार

भीषण सड़क हादसा, 2 साल की मासूम समेत 5 लोगों की मौत

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिला मुख्यालय से करीब 26 किलोमीटर दूर एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा इस हादसे में 1 शख्स घायल हो गया। हादसे का शिकार हुए सभी लोग अंबेडक के राजपुर रोड के रहने वाले थे। राजपुर पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ जब यह लोग कार

साल) और रिश्तेदार मुबारीक (42) एवं उसकी पत्नी सुल्ताना (40) के रूप में हुई है। इस हादसे में अकील की दूसरी बेटी सुफीयान (7 साल) घायल हुई है, जिसे गंभीर अवस्था में अंबेडक सदर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन बाद में जिला चिकित्सालय बड़वानी रेफर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ज़ेन की मदद से इन सभी लोगों के शवों को कार से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम करने के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया और उसकी तलाश की जा रही है।

आज शहर और पंचायतों की होगी तारीखें फाइनल

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। जिला पंचायतों के अध्यक्ष पदों के स्थानों के आरक्षण के लिए आम सूचना जारी कर दी गई है। इसके अनुसार स्थानों के आबंटन के लिए 18 नवंबर को दोपहर 12 बजे से न्यू सर्किट हाऊस सिविल लाइन रायपुर के कन्वेंशन हॉल में लॉटरी की कार्यवाही प्रारंभ होगी। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम-1993 की धारा 32, 129-ड. सहपठित छत्तीसगढ़ पंचायत (उपसरपंच, अध्यक्ष एवं

अध्यक्ष) निर्वाचन नियम, 1995 के नियम-3 (4) के पालन में पंचायत संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा उक्त आम सूचना जारी कर दी गई है। जारी सूचना में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य के 27 जिला पंचायतों के अध्यक्ष पदों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों के निर्धारण तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित महिलाओं के स्थानों के आबंटन के लिए लॉटरी निकालने के प्रयोजन के लिए कार्यवाही की जाएगी।

शरद अरविंद बोबड़े आज लेंगे सीजेआई पद की शपथ

नई दिल्ली (ए.)। न्यायमूर्ति रहे हैं। 63 वर्षीय न्यायमूर्ति बोबड़े शरद अरविंद बोबड़े सोमवार को देश के 47वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पद की शपथ लेंगे। उन्होंने कई ऐतिहासिक फैसलों में अहम भूमिका निभाई और हाल ही में अयोध्या के विवादित स्थल पर राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ करने के फैसले में भी वह शामिल

नई दिल्ली (ए.)। नक्सलियों के ड्रोन कब्जाने और उसे उड़ाने की घटना सामने आने के बाद सरकार की ओर से सुरक्षा बलों को इन्हें देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह नया निर्देश सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों की केंद्रीय कमान द्वारा दिया गया है। हाल में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल हिंसा से सबसे बुरी तरह प्रभावित सुकमा जिले

नक्सलियों के पास ड्रोन, गोली मारने का आदेश

सुरक्षा एजेंसियों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ए.। नक्सलियों के ड्रोन कब्जाने और उसे उड़ाने की घटना सामने आने के बाद सरकार की ओर से सुरक्षा बलों को इन्हें देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह नया निर्देश सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों की केंद्रीय कमान द्वारा दिया गया है। हाल में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सल हिंसा से सबसे बुरी तरह प्रभावित सुकमा जिले

जब तक साधते निशाना, तब तक गायब हो गए

सूत्रों ने कहा हालांकि सुरक्षा बल जब तक इन ड्रोनों पर लक्ष्य साधकर उन्हें मार गिराते थे छोटे मानवरहित यान आसमान में गायब हो गए। इस घटना के बाद सुरक्षा प्रतिष्ठानों ने मामले की जांच शुरू की। खुफिया एजेंसियां मुंबई के एक दुकानदार के पास पहुंची जिसके बारे में संदेह है कि उसने अज्ञात लोगों को ड्रोन बेचे।

श्रीतकालीन सत्र होगा हंगामेदार

नयी दिल्ली । संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष जम्मू कश्मीर की स्थिति, आर्थिक मंदी, महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरण प्रदूषण तथा कई अन्य ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी, जिससे संसद के शीतकालीन सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है। इस सत्र में सरकार की योजना नागरिकता विधेयक पेश करने की है। संसदी कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी की ओर से आज यहां आयोजित सर्वदलीय बैठक के बाद विपक्षी दलों के नेताओं ने कहा कि सत्र के दौरान कश्मीर की स्थिति, वहां के नेताओं की नजरबंदी, महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी और पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दों को

फारुक अब्दुल्ला को सत्र में हिस्सा लेने की मांग

श्री आजाद ने नेशनल काँग्रेस के वरिष्ठ नेता फारुक अब्दुल्ला को संसद सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति देने की सरकार से मांग की। उन्होंने कहा कि पूर्व में यह परिपाटी रही है कि सांसदों के खिलाफ मामले की सुनवाई चल भी रही है तो उन्हें सदन की बैठक में हिस्सा लेने की अनुमति दी जाती थी। श्री अब्दुल्ला तीन माह से अधिक से नजरबंद हैं। उन्हें संसद सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी जानी चाहिये। जोरशोर से उठया जायेगा।

गरमा-गरमा

शीतकालीन सत्र में पेग होके कई अहम विल

हंगामा करेंगे तो काम नहीं होगा, फिर हम सरकार पर काम नहीं करने का आरोप लगा देंगे...

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण अप्रैल 2020 में शुरू होकर साल 2022 तक पूरा हो सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर को दिए फैसले में विवादित भूमि को हिंदुओं को देकर इस पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र सरकार को यह निर्देश भी दिया कि वो 3 महीने के अंदर योजना बनाए और मंदिर निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन करे। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है- इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि नया ट्रस्ट बनाया जाए या फिर पुराने रामजन्मभूमि न्यास में ही नए सदस्य शामिल कर लिए जाएं। इन

अयोध्या राम मंदिर

सुप्रीम कोर्ट ने 3 माह में ट्रस्ट गठित करने का दिया आदेश

अप्रैल 2020 से शुरू होगा राम मंदिर निर्माण कार्य

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण अप्रैल 2020 में शुरू होकर साल 2022 तक पूरा हो सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर को दिए फैसले में विवादित भूमि को हिंदुओं को देकर इस पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र सरकार को यह निर्देश भी दिया कि वो 3 महीने के अंदर योजना बनाए और मंदिर निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन करे। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है- इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि नया ट्रस्ट बनाया जाए या फिर पुराने रामजन्मभूमि न्यास में ही नए सदस्य शामिल कर लिए जाएं। इन

सूत्रों ने बताया है कि विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल भी राम मंदिर ट्रस्ट का हिस्सा हो सकते हैं, हालांकि सदस्यों को लेकर आखिरी फैसला प्रधानमंत्री कार्यालय ही करेगा। सबसे बड़ा विवाद जो प्रस्तावित ट्रस्ट के सामने आने की संभावना है, वो मंदिर निर्माण के लिए कई संगठनों, ट्रस्टों और धार्मिक समूहों द्वारा फंड जमा करने से संबंधित है। ऐसे बनेगा राम मंदिर

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण

का रास्ता साफ हो चुका है। अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय दिशानिर्देशों के तहत सरकार को वे सब औपचारिकताएं पूरी करनी हैं जो मंदिर निर्माण में सहायक साबित होंगी।

ट्रस्ट का गठन

नौ नवंबर को बहुप्रतीक्षित और देश के सबसे बड़े सर्वसम्मत फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट का गठन करे। आगे यही ट्रस्ट मंदिर निर्माण से जुड़ी हर गतिविधियों, प्रक्रियाओं का निर्धारण

का गठन

नौ नवंबर को बहुप्रतीक्षित और देश के सबसे बड़े सर्वसम्मत फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट का गठन करे। आगे यही ट्रस्ट मंदिर निर्माण से जुड़ी हर गतिविधियों, प्रक्रियाओं का निर्धारण

करेगा।

ट्रस्ट का प्रारूप

कुछ रिपोर्टों में ये बात सामने आ रही है कि राम मंदिर ट्रस्ट का रूप-स्वरूप देश के अन्य मंदिरों के ट्रस्ट जैसा होगा। इनमें सोमनाथ मंदिर, अमरनाथ श्राइन बोर्ड या माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड का उल्लेख किया जा रहा है। एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर ट्रस्ट का मॉडल सोमनाथ मंदिर के अनुरूप हो सकता है। इस ट्रस्ट के सात सदस्यों में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बतौर सदस्य शामिल हैं।

रॉन्ग साइड ड्राइविंग से 2018 में हर दिन 24 की हुई मौत: रिपोर्ट

2018 में इस तरह के हादसों में सबसे ज्यादा 1,299 मौतें यूपी में हुईं, 487 मौतों के साथ गुजरात दूसरे नंबर पर

2018 में कुल सड़क हादसों में डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई, यह आंकड़ा 2017 के मुकाबले 3,500 ज्यादा

नई दिल्ली(ए.)। हम भारतीयों को शायद सड़कों पर चलने का शऊर ही नहीं है। कम से कम सड़क हादसों से जुड़े आंकड़े तो इसी तरह झुरा कर रहे हैं। रॉन्ग साइड से ड्राइविंग की वजह से 2018 में हर दिन 24 लोगों की मौत हुई। रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री ने

शुक्रवार को सड़क हादसों को लेकर रिपोर्ट जारी की जो बताती है कि किस तरह यातायात नियमों का उल्लंघन जानलेवा साबित हो रहा है

रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाने की वजह से हर दिन 24 लोगों की मौत हुई, जबकि पार्क की हुई गाड़ियों से टक्कर की वजह से होने वाले हादसे में पिछले साल 4,800 लोगों की मौत हुई। वैसे 2018 में रॉन्ग साइड ड्राइविंग की वजह से होने वाले हादसों में मारे जाने वालों की संख्या 2017 के मुकाबले करीब 9 प्रतिशत कम रही। लेकिन खड़ी हुई गाड़ी से टक्कर की वजह से होने वाले हादसे 2017 के मुकाबले दोगुने हो गए।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर दूसरों की जान भी

जोखिम में डालते हैं लोग: ट्रैफिक सेफ्टी एक्सपर्ट्स का कहना है कि नेशनल हाइवे तक पर लोगों को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हुए देखा जा सकता है। इससे वे खुद को तो खतरे में डालते ही हैं, दूसरों की जान भी जोखिम में डालते हैं। रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री की रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि सड़क हादसों में 2018 में 2017 के मुकाबले ज्यादा लोगों की मौत हुई। 2018 में कुल सड़क हादसों में 1.5 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई जो 2017 के आंकड़े से 3,500 ज्यादा है।

रॉन्ग साइड ड्राइविंग से यूपी में सबसे ज्यादा मौत

रिपोर्ट के मुताबिक, रॉन्ग साइड ड्राइविंग से देश में सबसे ज्यादा



मौत यूपी में हुई। ऐसे हादसों में होने वाली मौतों में करीब एक चौथाई तो सिर्फ यूपी में हुई, जहां 2,553 लोग मारे गए। बिहार और पंजाब में भी ऐसे हादसों में मरने वालों की संख्या काफी ज्यादा है।

नेशनल हाइवेज के किनारे शराब की दुकानों के खिलाफकोर्ट जाने वाले हरमन सिंह सिद्ध कहते हैं, 'रोड से जुड़ी एजेंसियां सर्विस

रोड ही नहीं बनातीं और डिजाइन में भी गड़बड़ी रहती है। इसीलिए आप यातायात नियमों का खुलकर उल्लंघन देखते हैं।

खड़ी गाड़ियों से टक्कर में मौत भी सबसे ज्यादा यूपी में

रॉन्ग साइड ड्राइविंग के साथ-साथ पार्क की हुई गाड़ियों से टक्कर की वजह से होने वाले हादसों में मरने

हेल्मेट नहीं पहनने से 43,610 की मौत

इसी तरह हेल्मेट नहीं पहनने की वजह से पिछले साल 28,250 टू-वीलर ड्राइवरों की मौत हुई। इसके अलावा, 15,364 ऐसे लोगों की मौत हुई जो टोपहिया गाड़ी पर पीछे की सीट पर बैठे थे लेकिन हेल्मेट नहीं लगाए थे। यानी हेल्मेट नहीं पहनने की वजह से पिछले साल 43,610 लोगों की मौत हुई।

वालों की संख्या के लिहाज से भी यूपी सबसे खतरनाक है। 2018 में ऐसे हादसों में यूपी में 1,299 लोगों की मौत हुई। दूसरे नंबर पर 487 मौतों के साथ गुजरात है।

अराइव सेफनाम का एक गैर-लाभकारी संगठन चलाने वाले हरदीप सिंह कहते हैं, 'हमारे पास बहुत मुश्किल से हाइवे की पॉलिसी से जुड़ा कोई सिस्टम है। इसके अलावा सड़कों पर पर्यटकों की स्थिति भी बहुत खराब है। ज्यादातर मामलों में ड्राइवर सड़क के बीच में ही गाड़ी पार्क कर देते हैं और दूसरी

गाड़ियों के लिए कोई वॉनिंग साइनेज तक भी नहीं रखते।'

रिपोर्ट से पता चलती है सीटबेल्ट की अहमियत

रिपोर्ट के मुताबिक 2018 में 9,349 ड्राइवरों की मौत की वजह सीटबेल्ट नहीं बांधना था। यह आंकड़ा तो सिर्फ ड्राइव करने वालों की मौत का है। 2018 के दौरान हादसे के वक्त सीटबेल्ट नहीं बंधे होने की वजह से मरने वाले लोगों की संख्या तो 15,000 से भी ज्यादा है।

इसीलिए सरकार ने बढ़ाया रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर जुर्माना

रॉन्ग साइड ड्राइविंग से जानलेवा हादसे हो सकते हैं, इसी को देखते हुए सरकार ने इस अपराध को 'डेंजरस ड्राइविंग' की श्रेणी में डाल दिया है और संशोधित मोटर वीइकल ऐक्ट में इस तरह के उल्लंघनों पर जुर्माने की रकम काफी बढ़ा दिया है। पहली बार रॉन्ग साइड ड्राइविंग करते हुए पकड़े जाने पर अब कम से कम 1000 रुपये से लेकर 5 हजार रुपये तक जुर्माना और 6 महीने जेल की सजा तय की गई है। दोबारा यही गलती करने पर 10,000 रुपये तक जुर्माना और 6 महीने से लेकर 1 साल तक कैद की सजा का प्रावधान किया गया है।

गाजियाबाद में ऑपरेशन ऑल आउट, 12 घंटे में पकड़े गए 143 अपराधी



गाजियाबाद। कश्मीर में हुए 'ऑपरेशन ऑल आउट' का नाम आपने जरूर सुना होगा। लेकिन इस बार यह ऑपरेशन कश्मीर पुलिस ने नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने किया है। पुलिस ने पिछले 12 घंटों में अब तक 143 अपराधियों को पकड़ा है। गाजियाबाद पुलिस ने यह ऑपरेशन कल रात शुरू किया था। गाजियाबाद के एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया, 'हमने ऑपरेशन ऑल आउट की योजना बनाई है जिसमें पुलिस स्टेशन के आधार पर करीब 200 अपराधियों की लिस्ट तैयार की गई है, जिन्हें पकड़ा जाना है। इसके लिए पुलिस की टीम तैयार हो चुकी है।' 'ऑपरेशन ऑल आउट' कश्मीर से चर्चा में आया था। घाटी में 3 साल पहले सुरक्षाबलों ने यह अभियान शुरू किया था। बीते 3 वर्षों में 600 से ज्यादा आतंकवादी मारे जा चुके हैं। 'ऑपरेशन ऑलआउट' के तहत सेना की रणनीति है कि आतंकी कमांडर चुने जाने या चर्चा में आते ही जल्द से जल्द टॉप आतंकियों को खत्म कर दिया जाए।

पटना: तीन महीने पहले माँब लिचिंग का शिकार शख्स जिंदा लौटा, पुलिस चकराई

पटना। बिहार में तीन महीने पहले माँब लिचिंग का 'शिकार' एक शख्स अब जिंदा वापस लौट आया है। नौबतपुर निवासी कृष्णा माँडो के जिंदा लौटने पर पटना पुलिस की तो किरकिरी हुई ही है, विभाग को अब इस मामले में नए सिरे से जांच के आदेश देने पड़े हैं। दरअसल, नौबतपुर के महमदपुर गांव में तीन महीने पहले माँब लिचिंग की घटना हुई थी। इस मामले में पुलिस ने 23 लोगों को जेल भी भेज दिया था। पुलिस अप्सरों का दावा है कि कृष्णा की पत्नी ने ही उनके शव की पहचान की थी। पर, अब कृष्णा के जिंदा लौटने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसएसपी ने आनन-फ़ानन में नए सिरे से मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।



'नए सिरे से होगी जांच': एसएसपी गरिमा मलिक ने कहा, '10 अगस्त को माँब लिचिंग की घटना में एक शख्स की हत्या हुई थी, यह तो निश्चित है। पर, अब सवाल यही है कि फिर उस दिन किसकी हत्या हुई थी। हमने इसके लिए नए सिरे से जांच शुरू कर दी है।' 'ऑपरेशन ऑलआउट' के तहत सेना की रणनीति है कि आतंकी कमांडर चुने जाने या चर्चा में आते ही जल्द से जल्द टॉप आतंकियों को खत्म कर दिया जाए।

फडणवीस न दें हिन्दुत्व की सीख: संजय राउत

बालासाहेब की पुण्यतिथि पर आयोजित स्मृति सभा में पहुंचे संजय राउत

फडणवीस के ट्वीट पर दिया दो टूक जवाब, हमें न सिखाएं स्वाभिमान

मुंबई(ए.)। शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर आयोजित स्मृति सभा में पहुंचे शिवसेना सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ट्वीट पर दो टूक जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि कोई उन्हें 'स्वाभिमान' और समझदारी न सिखाए। समझदारी दिखाते हुए ही शिवसेना सरकार बनाएगी और सीएम भी शिवसेना का होगा। राउत ने इस दौरान कहा कि उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब से जो वादा किया था, वह पूरा होगा। बता दें कि सरकार गठन के लिए शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के बीच बातचीत चल रही है।

राउत ने शिवाजी पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा,



'हमें कोई हिंदुत्व क्या है और स्वाभिमान क्या है, यह न समझाए। समझदारी इनसे सीखने की जरूरत नहीं है।' उन्होंने दावा किया उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब को जो वचन दिया था, वह जल्द पूरा होगा। जल्द ही शिवसेना का मुख्यमंत्री यहां आएगा। संजय राउत के अलावा कई बड़े नेता शिवाजी पार्क में बालासाहेब को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इनमें हाल ही में केंद्र सरकार से इस्तीफा देने वाले शिवसेना नेता अरविंद सावंत भी शामिल थे।

अभी दिल्ली दूर

राउत भले ही सरकार बनाने का दावा कर रहे हों लेकिन बताया जा रहा है कि शिवसेना के साथ सरकार बनाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी

फडणवीस ने किया था तंज भरा ट्वीट

बता दें कि फडणवीस ने बालासाहेब की पुण्यतिथि पर ट्वीट करते हुए कहा था कि बालासाहेब ने सभी को स्वाभिमान का संदेश दिया था। माना जा रहा था कि पूर्व सीएम ने अप्रत्यक्ष रूप से शिवसेना पर तंज कसा था। गौरतलब है कि किसी समय में कांग्रेस और एनसीपी की धुर विरोधी रही शिवसेना ने अब महाराष्ट्र में इन्हीं दोनों पार्टियों के साथ गठबंधन सरकार बनाने की तैयारी कर ली है।

अभी भी तैयार नहीं है। रविवार को एनसीपी चीफ शरद पवार पुणे में पार्टी नेताओं से चर्चा करने वाले हैं। इसके बाद सोमवार को दिल्ली में वह कांग्रेस के बड़े नेताओं से मिलेंगे। पवार शिवसेना से गठबंधन को लेकर सोनिया गांधी को मनाने की कोशिश करेंगे। पहले उन्हें रविवार को ही दिल्ली जाना था लेकिन अब वह सोमवार को दिल्ली जाएंगे। दूसरी ओर, बीजेपी ने भी सरकार बनाने की फिर हुंकार भरी है।

पार्किंग से गाड़ी चोरी तो जिम्मेदारी होटल की: सुप्रीम कोर्ट

होटल 'पार्किंग अपने रिसक पर करें' लिखकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता

नई दिल्ली(ए.)। अब कोई भी होटल 'पार्किंग अपने रिसक पर करें' लिखकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। सुप्रीम कोर्ट ने इसपर साफ कर दिया है कि एक बार जब गाड़ी की चाबी पार्किंग के बाद या पहले होटल के स्टाफको सौंप दी गई तो उसके बाद जिम्मेदारी होटल की भी होगी। ऐसे में गाड़ी के चोरी होने या फिर उसमें कुछ नुकसान होने पर होटल मुआवजा देने से बच नहीं सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के निर्णय को सही मानते हुए कही। उपभोक्ता आयोग ने दिल्ली स्थित ताज महल होटल पर 2.8 लाख रुपये का



जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना राशि मुआवजे के तौर पर उस शख्स को देनी थी जिसकी मारुति जेन कार उस होटल की पार्किंग से 1998 में चोरी हो गई थी। आयोग ने इसे होटल मैनेजमेंट की लापरवाही माना था। कहा गया कि यह होटल की जिम्मेदारी है कि कस्टमर का वाहन जिस स्थिति में पार्क किया गया, उस स्थिति में ही उसे वापस मिले। लापरवाही मिलने पर होटल

मंत्री स्वाति सिंह के धमकी वाले ऑडियो का मामला, प्रियंका का तंज- 'बड़ी मछली पर कार्रवाई कब'

लखनऊ(ए.)। योगी सरकार में मंत्री स्वाति सिंह के कथित तौर पर सीओ को धमकाने के मामले पर राजनीति शुरू हो गई है। रविवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने ऑडियो को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका ने ट्वीट किया, 'यूपी में बीजेपी सरकार की मंत्री बोलती हैं कि ऊपर से आदेश है, घोटालेबाज पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। ये ऊपर कौन है जो चाहता है कि घोटालेबाजों पर कार्रवाई न हो।'

बता दें कि शुक्रवार को प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाति सिंह का एक कथित ऑडियो वायरल हो गया। लखनऊ केंद्र की सीओ बीनू सिंह के साथ हुई इस बातचीत में कथित

तौर पर स्वाति सिंह एक बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को लेकर सीओ को पटकार लगा रही है। ऑडियो में स्वाति सिंह कथित तौर पर एफआईआर दर्ज न करने को लेकर 'ऊपर से आदेश' का हवाला देती हैं।



गांधी ने आगे लिखा, 'डीएचएफएल-पीएफ घोटाला, सिमाको-पीएफ घोटाला, हिमगढ़ी वेंतन घोटाला, ख घोटाला। इन सारे घोटालों में बड़ी मछलियों पर कार्रवाई नहीं

मंत्री स्वाति सिंह ने सीओ को ही बताया भ्रष्टाचारी

उपर, ऑडियो विलुप्त सामने आने के बाद स्वाति सिंह ने जहां सीओ पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है, वहीं सीओ ने इस संबंध में कुछ भी कहने इनकार कर दिया। स्वाति सिंह ने सीओ को धमकी देने के आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि सीओ खुद को डीजीपी का रिश्तेदार बताती हैं और गरीब-पिड़ितों को एफआईआर नहीं दर्ज करती हैं। जिस मामले में उन्हें पैसा मिल जाए, उसकी एफआईआर दर्ज कर लेती हैं। मैंने पहले भी इन्हें कई पिड़ितों के केस दर्ज करने के लिए कहा, पर उन्होंने नहीं दर्ज किए।

मिनट चली बैठक के दौरान मुख्यमंत्री काफ़ी नाराज थे। उन्होंने कहा कि किसी भी दागी या अपराधी के लिए पैरवी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम ने डीजीपी को जांच

सियासत झारखंड विधानसभा चुनाव: मंत्री सरयू राय बोले- नहीं चाहिए टिकट

झारखंड :चुनाव से पहले बीजेपी में घमासान

मंत्री सरयू राय ने दिखाए बागवती तेवर, बोले- नहीं चाहिए बीजेपी का टिकट

रांची (ए.)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में टिकट बंटवारे को लेकर घमासान शुरू हो गया है। पार्टी के सीनियर नेता और सरकार में खाद्य आपूर्ति मंत्री सरयू राय ने शनिवार को बागवती तेवर दिखाते हुए घोषणा कर दी कि उन्हें बीजेपी का टिकट नहीं चाहिए। सरयू राय ने दो विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन पत्र खरीद लिया है। संकेत साफ है कि वे दो जगहों से



चुनाव लड़ने जा रहे हैं। सरयू राय सीएम रघुवर दास और सरकार के

बीजेपी और आजसू के बीच तल्खी बढ़ी

बीजेपी ने शनिवार को उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में तीन उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई। इसके साथ ही बीजेपी की सहयोगी रही आजसू ने भी एक और सूची जारी कर दी है। बीजेपी ने सीनियर नेता सरयू राय को

बोले राय- बता दिया है पार्टी नेताओं को

सरयू राय ने शनिवार को साफ़ कर दिया कि जमशेदपुर पश्चिम सीट से बीजेपी के टिकट में उन्हें कोई रुचि नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने निर्णय से पार्टी के आला नेताओं को अवगत करा दिया है।

सामने मुख्यमंत्री रघुवर दास होंगे। सरयू राय पितृहाल जमशेदपुर पश्चिमी से बीजेपी विधायक हैं। इधर तमाम कायासों और राजनीतिक उछपटक के बीच मंत्री सरयू राय शनिवार को जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के टेल्को स्थित भुवनेश्वरी मंदिर पहुंचे।

नींद खराब करने पर गार्ड ने शख्स को मार दी गोली, मौत

ग्वालियर(ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सिक्योरिटी गार्ड ने अपनी 12 बोर की बंदूक से एक शख्स को पाइंट ब्लैक रेंज से गोली मार दी। पुलिस ने गार्ड को काफी मशकत के बाद शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस से बताया कि मृतक कबीर (25) ने मेरी नींद खराब कर दी थी, इसीलिए मैंने गोली मार दी। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई।

आरोपी अकू शर्मा ग्वालियर के दानोली इलाके का रहने वाला है। उसने बताया कि वह नाइट ड्यूटी करने के बाद दोपहर को आराम कर रहा था, तभी कबीर तोमर और उसके कुछ साथी सड़क पर शोरगुल करने लगे।



कबीर अपने भतीजे को डांट रहा था। बार-बार नींद खुलने से परेशान होकर अकू ने अपनी 12 बोर की बंदूक उठाई और गोली चला दी। पहली गोली खाली चली गई, मगर सड़क पर खड़े लोग इधर-उधर भागने लगे। अकू ने बाहर बीच सड़क पर आकर दोबारा बंदूक कबीर की तरफ तानी और कुछ इंच की दूरी से उसके ऊपर फयर कर दिया। कबीर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद अकू वहां से चला गया।

संपादकीय कश्मीर में आतंक का अंत

कश्मीर से 370 हटने के बाद से भारतीय सेना ने वहां सक्त्रीय आतंकवादियों का सफया करने के लिए जो अभियान चला रखा है वह सफल होता नजर आ रहा है। कश्मीर में आतंक का अंत बहुत जल्द हो जाएगा। इस समय वहां लगभग 250 आतंकवादी ही बचे हुए हैं जिनके खिलाफ भारतीय सेना ने आपरेषन ऑलआउट बना लिया है। इन आतंकवादियों को घेर कर मारने का काम तैयार हो चुका है। भारतीय सेना की योजना है कि टंड के मौसम में जब पूरी घाटी बर्फ से ढकी होगी और सभी प्रशासनिक काम काज जम्मू से संचालित किए जाएंगे तब कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के खिलाफसचन सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा और सलाहकार के साथ ठोस कार्य योजना बना ली गई है। भारतीय सेना सतर्कता के कारण पाकिस्तान कश्मीर में आतवादियों की घुसपैठ नहीं करा पा रहा है। हालांकि उसने पीओके में बड़ी संख्या में आतंकवादियों को एकत्रित कर रखा है और बार बार सीज फयर का उल्लंघन कर इन आतंकवादियों को कश्मीर में घुसपैठ कराने की कोषिष कर रहा है लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पा रही है। सीमा पर भारतीय सेना के जवान मुस्तैद हैं जो घुसपैठियों को भारतीय सीमा में प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं। पाकिस्तान कश्मीर में आतंकवादियों के एक के बाद एक मारे जाने से बौखलाया हुआ है। बहरहाल कश्मीर घाटी में आतंकवादियों पर सेना कहर बन कर टूट रही है। यही वजह है कि वहां बचे खुचे आतंकि चूहों की तरह इधर उधर दुबके हुए हैं। जिनकी तलाषी के लिए सेना का अभियान जारी है। इस आतंकवादियों को तो सेना जहनुम रसीद करेगी ही लेकिन साथ ही भारतीय सेना को चाहिए कि वह इन्हे पनाह देने वाले आस्तिन के सांपो का फन भी सक्ती पूर्वक कुचल दें।

विचार बने रहें हमकदम

ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स के ग्यारहवें शिखर सम्मेलन में दुनिया की पांच उभरती हुई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने संरक्षणवाद के खिलाफकमर कसते हुए बहुपक्षीयता का झंडा बुलंद किया। उन्होंने तय किया कि इसके सामने आने वाली हर संभव चुनौती से पांचों देश मिलकर निपटेंगे। सम्मेलन के अवसर पर जारी एक संयुक्त घोषणा पत्र में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि व्यापार में तनाव और नीतिगत अनिश्चतता का वैश्विक अर्थव्यवस्था में विश्वास, व्यापार, निवेश और वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में यह अद्यम है कि सभी डब्ल्यूटीओ सदस्य एकतरफ और संरक्षणवादी कदम उठाने से बचें। उन्होंने कहा कि हम नियमों पर आधारित, पारदर्शी, भेदभाव रहित, खुले, मुक्त और समावेशी अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मूलभूत महत्व को दोहराते हैं। जाहिर है, उनका निशाना अमेरिका का संरक्षणवाद है। आज जब अमेरिका तमाम अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाओं और मानदंडों को नकार कर एकतरफ नीतियां अपना रहा है, तब इन पांच मुल्कों की आपसी समझदारी न सिर्फ इनके लिए काफ़ी मायने रखती है, बल्कि इसका लाभ दूसरे देशों को भी मिलेगा। विश्व अर्थव्यवस्था पर अभी चौतरफा स्लोडाउन के बादल मंडरा रहे हैं। करीब एक दशक पहले भारत और चीन समेत तमाम विकासशील अर्थव्यवस्थाओं ने जो उड़ान भरी थी, वे अभी उलटी हवाओं का सामना कर रही हैं। दुनिया को पिछली मंदी से बाहर निकालने वाले चीन की इकॉनमी में ठहराव दिख रहा है। साथथ अफ्रीका और ब्राजील गंभीर गतिरोध का सामना कर रहे हैं और प्रतिबंधों से घिरा रूस खुद को पटरी पर लाने की जद्दोजहद में जुटा है। भारत की स्थिति भी इससे अलग नहीं है और यहां मांग पर ब्रेक-सा लगा हुआ है। ऐसे में इन देशों का आपसी सहयोग एक-दूसरे को वर्तमान जड़ता से निकालने में मददगार हो सकता है। पिछले 13 सालों में इसकी छवि एक ताकतवर संगठन की बनी है, जिसकी दुनिया की कुल जनसंख्या में 42 फ़ीसदी, वैश्विक जीडीपी में 23 फ़ीसदी और विश्व व्यापार में करीब 17 फ़ीसदी हिस्सेदारी है। आज यह तमाम व्यवस्थाओं को प्रभावित करने की स्थिति में है। इसके भीतर भारत की भूमिका भी लगातार बढ़ी है। भारत की पहल पर ही ब्रिक्स ने आतंकवाद के खिलाफएक सख्त स्टैंड बना है।

टेक ज्ञान फिर हैकर्स के निशाने पर वॉट्सऐप नई दिल्ली। दुनिया के सबसे पॉप्युलर मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप के लिए इन दिनों मुश्किल वक्त चल रहा है। हाल ही में वॉट्सऐप पर गैंगसस स्पाईवेयर अटैक हुआ था। इससे उबरने से पहले ही वॉट्सऐप ने एक बार फिर यह कन्फर्म किया है मैसेजिंग ऐप हैकर्स के निशाने पर है। वॉट्सऐप ने कहा वलनैरैबिलिटी के चलते हैकर्स आप के वॉट्सऐप डेटा और फोन डेटा को कंट्रोल कर सकते हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि वॉट्सऐप की सुरक्षा में हैकर्स ने सेंध लगाई है। हैकर्स आपको इंफेकटेड विडियो फाइल भेजकर आपका वॉट्सऐप अकाउंट हैक कर सकते हैं। यह विडियो फाइल MPy फॉर्मेट में होगी। अगर आप इस फाइल को डाउनलोड करके प्ले करते हैं तो हैकर्स आप के वॉट्सऐप सहित फोन के डेटा को कंट्रोल कर सकता है।

पाठकों की बात

एक रिश्ता..बेनाम

एक रिश्ता..बेनाम सा.. ना हासिल..ना जु दा..ना खोया..ना मिला ..फिर भी करीब सा..मोहन्त तो नही..पर मोहन्त सा..जरुरत भी नही, पर जरुरी सा ..जाने... क्या है और सा शायद... रिश्ता है...

सोनी गुप्ता

अपने स्वाहिशों को

अपने ख्वाहिशों को सजाना सीख लिया मैंने जिंदगी को अब हँस के जारना सीख लिया मैंने जब भी, अपने अधिकारों की बात की मुझे, मेरे अस्तित्व का बोध करा दिया गया अब अधिकार माँग कर खुद से शर्मिदा नहीं अधिकार छीनना एअब सीख लिया मैंने मेरे बहते अश्रकों को, जब से उसने पढ़ना छोड़ दिया है अश्रकों का दामन छोड़, मुस्कुराना अब एसीख लिया मैंने।

ममता श्री सिंह

.खास पत्नी.

हम अपने अंदर न जाने कितनी विष बेल बोये हुए है जाने कितने पछतावे जाने कितनी खीज लेकर जीते रहते है। बिना ये सोचे समझे कि ये विष बेल धीरे धीरे हमारी जीवन ऊर्जा को कस रही है हमे नष्ट कर रही है।- **हेमा पाण्डेय**

कहां से लाओगे।- **सुरेश वैष्णव**

हम अपने अंदर न जाने कितना विष

हम अपने अंदर न जाने कितनी विष बेल बोये हुए है जाने कितने पछतावे जाने कितनी खीज लेकर जीते रहते है। बिना ये सोचे समझे कि ये विष बेल धीरे धीरे हमारी जीवन ऊर्जा को कस रही है हमे नष्ट कर रही है।- **हेमा पाण्डेय**

गमजदा लोग ही अवसर

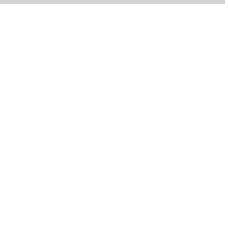
हम अपने अंदर न जाने कितनी विष बेल बोये हुए है जाने कितने पछतावे जाने कितनी खीज लेकर जीते रहते है। बिना ये सोचे समझे कि ये विष बेल धीरे धीरे हमारी जीवन ऊर्जा को कस रही है हमे नष्ट कर रही है।- **हेमा पाण्डेय**

हम अपने अंदर न जाने कितनी विष बेल बोये हुए है जाने कितने पछतावे जाने कितनी खीज लेकर जीते रहते है। बिना ये सोचे समझे कि ये विष बेल धीरे धीरे हमारी जीवन ऊर्जा को कस रही है हमे नष्ट कर रही है।- **हेमा पाण्डेय**



आशीष वरिश्ष

वास्तव में बदलते दौर में नयी सोच, नयी दृष्टि और नये विचार के साथ परिष्कृत सोच और विशाल हृदय का परिचय देते हुए इसी तरह एक के बाद एक फैसले करने का ये सबसे सही समय है क्योंकि केंद्र में एक निर्णय लेने वाली सरकार के साथ ही जनमत भी पूरी तरह से रचनात्मक सोच से प्रेरित है। किसी देश के जीवन में ऐसे अवसर सौभाग्य से ही आते हैं। इन्हें गंवाने पर इतिहास हमें माफनहीं करेगा। देशवासियों की बदलती सोच और परिपक्वता वर्तमान राजनीति के लिये संदेश भी है कि वो पार्टी लाइन से ऊपर उठकर देशहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, इसी में देश और देशवासियों का कल्याण और भविष्य निहित है।



रमेश सर्राफ

सीवर सफाई के काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, नियमित प्रशिक्षण के नियम का पालन होता कहीं नहीं दिखाता है। सभी सरकारी दिशा-निर्देशों में दर्ज हैं कि सीवर सफाई करने वालों को गैस -टेस्टर, गंदी हवा को बाहर फेंकन के लिए ब्लोअर, टॉर्ष, दस्ताने, चश्मा और कान को ढंकन का कैप, हैलमेट मुहैया करवाना आवश्यक है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी इस बारे में कई आदेश जारी कर चुका है। इसके बावजूद ये उपकरण और सुविधाएं गायब हैं। दिनों दिन सीवर लाइनों की लंबाई बढ़ रही है वहीं मजदूरों की संख्या में कमी की जा रही है।

वास्तव में देश बदल रहा है

हमारा देश बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पिछले पांच-छह महीनों में केंद्र सरकार द्वारा लिये गये तमाम ऐतिहासिक निर्णयों को लेकर जिस तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, उससे इस बात का आभास हुआ है कि वाक्या ही हमारा देश बदल रहा है। कश्मीर से धारा 370 हटाना और अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देशवासियों ने बड़ी समझदारी से सधी हुई प्रतिक्रियाएं दी। लगभग सभी प्रतिक्रियाएं सकारात्मक ही रही। हां, बीच-बीच में कुछ स्वर असहमति और नकारात्मकता से भरे भी कान में पड़े, लेकिन अधिसंख्य देशवासी इन निर्णयों से प्रसन्न दिखाई दिये। इस बात को इसलिए भी लिखा जा रहा है कि क्योंकि धारा 370 और राम मंदिर के मामले को देश में अतिसंवेदनशील समझा जाता रहा। अगस्त 2019 से पूर्व शायद ही कोई यह सोचता होगा कि एक दिन देश से धारा 370 हट जाएगी। वहीं राम मंदिर का मुद्दा भी सुलझता नहीं दिख रहा था, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने विवेकपूर्ण तरीके से इस मामले पर अपना निर्णय सुनाया। इस निर्णय को छुटपुट असहमतियों के मध्य संपूर्ण देशवासियों ने स्वीकार किया। न्यायालय ने तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने न्याय प्रदान किया है।

यद्यपि न्यायालय के फैसले का आधार आस्था, इतिहास और पुरातात्विक प्रमाणों का मिश्रण है लेकिन उसके बाद भी उसने मस्जिद के लिए 5 एकड़ जमीन देने का आदेश देते हुए अपने फैसले को एकपक्षीय होने के आरोप से बचाने की कोशिश की। ओबेसी ब्रांड मुस्लिम इस निर्णय पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आये, लेकिन अधिकांश मुस्लिमों ने इस निर्णय को विवाद की समाप्ति मानकर स्वीकार करने की समझदारी का प्रदर्शन किया। मुस्लिम बिरादरी की समझदारी से उन तमाम लोगों की दुकान का शटर जरूर गिर गया जो इस विवाद की आड़ में मलाई काट रहे थे और अपनी राजनीति चमका रहे थे। वैसे सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से पूर्व भी आम मुस्लिमों में यह चर्चा थी कि विवादित भूमि हिन्दुओं को सौंप दी जाये ताकि देश में शांति और भाईचारे का वातावरण बना रखा जा सका। इस विवाद का यही हल होना था लेकिन एक सुनियोजित योजना के तहत अदालती विवाद को टाला जाता रहा। इस विवाद को टालने में जिनका स्वार्थ जुड़ा था, उनके बारे में देशवासी बखूबी जानते हैं।

गत वर्ष लोकसभा चुनाव से पूर्व वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने इस मामले की सुनवाई चुनाव के बाद करने का आग्रह किय था। कपिल सिब्बल का तर्क का था कि इस निर्णय का राजनीतिक लाभ उठया जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता होने के नाते कपिल सिब्बल यह जानते थे कि विवादित ढांचा मूलतः मन्दिर ही था। स्व. राजीव गांधी

के कार्यकाल में जब ढांचे में रखी मूर्तियों का ताला खुलवाया गया उस समय भी यदि मुस्लिम पक्ष को विश्वास में लेकर आगे बढने का प्रयास किया जाता तो तीन दशक तक देश और देशवासियों ने जो सहा उससे बचा जा सकता था। लेकिन न तो तत्काल सरकार ने ऐसी कोई इच्छाशक्ति दिखाई और न ही अन्य राजनीतिक दलों ने इस संबंध में कोई पहल की। दोनों ओर से जमकर राजनीति हुई।

इस अतिसंवेदनशील मामले में जिस तरह की इच्छा शक्ति सर्वोच्च न्यायालय ने दिखाई है, वो प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। सर्वोच्च न्यायालय के साथ केंद्र सरकार को



भी धन्यवाद देना चाहिए जिसने बिना लागलपेट के पूरे देश को इस बात के लिये प्रेरित किया कि अदालत का जो भी निर्णय आयेगा उसे जस का तस स्वीकार किया जाये और उसमें किसी की जीत या हार जैसी सोच न रखी जाए। यही कारण रहा कि दशकों से चला आ रहा विवाद इतनी सहजता से निपट गया। दोनों पक्षों ने संयम का परिचय देकर एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया। अयोध्या जैसे बड़े और संवेदनशील मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के पश्चात् दोनों ओर से जिस तरह की सधी और सुलझी हुई प्रतिक्रियाएं आईं वे इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि भारत वाकई बदल रहा है और उसमें परिपक्वता आई है।

अनुच्छेद 370 को लेकर बड़े निर्णय केंद्र सरकार द्वारा किये गये। देशवासियों ने इन निर्णयों का स्वागत और समर्थन किया। कुछ लोग इन निर्णयों के विरोध में बयानबाजी और कुतर्क करने से बाज नहीं आये लेकिन अधिकतर लोगों ने व्यापक राष्ट्रीय हितों को महत्व देते हुए किसी भी संकुचित सोच से दूरी बनाकर रखा। कश्मीर मामले में जिस संयम, धैर्य और परिपक्वता का परिचय कश्मीरवासियों ने दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम है। इसमें कोई दो राय

न्यायिक सक्रियता से ही रुकेगी सीवर में होने वाली मौत

राजस्थान में सीकर जिले के फ़तेहपुर में सीवेज की खुदाई के दौरान हुई तीन मजदूरों की मौत के मामले में वहां के अपर जिला एवम सेशन न्यायाधीश शिवप्रसाद तम्बोली ने कुछ दिनों पूर्व ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। कोर्ट ने इस मामले में कंपनी के इंजीनियर सहित तीन लोगों को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानते हुये दस-दस साल के कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने माना कि काम कर रहे मजदूरों के लिए सुरक्षा का इंतजाम करना कम्पनी और ठेकेदार की जिम्मेदारी थी। कोर्ट ने माना कि उस दिन कम्पनी की ओर से सीवेज का काम किया जा रहा था और सुरक्षा संबंधी उपाय नहीं करने के कारण तीन मजदूरों को जान गंवानी पड़ी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने भी कुछ समय पहले हाथ से मैला साफ़ करने के दौरान सीवर में होने वाली मौतों पर चिंता जताने के साथ ही सख़्त टिप्पणी की थी। देश के सबसे बड़े कोर्ट ने कहा था कि देश को आजाद हुए 72 साल से अधिक समय हो चुका है। लेकिन देश में जाति के आधार पर भेदभाव जारी है। मनुष्य के साथ इस तरह का व्यवहार सबसे अधिक अमानवीय आचरण है। इस हालात में बदलाव होना चाहिए। जस्टिस अरुण मिश्रा, एमआर शाह और बीआर गर्व की पीठ ने अर्दानी जनरल केके वेणुगोपाल से सवाल किया कि आखिर हाथ से मैला साफ़ करने और सीवर के नाले या मैनहोल की सफाई करने वालों को मास्क व ऑक्सीजन सिलेंडर जैसे सुरक्षा उपकरण क्यों नहीं मुहैया कराई जाते हैं? दुनिया के किसी भी देश में लोगों को गैस चैंबर में मरने के लिये नहीं भेजा जाता है। इस वजह से हर महीने चार से पांच लोगों की मौत हो जाती है। कोर्ट ने कहा संविधान में प्रावधान है कि सभी मनुष्य समान हैं लेकिन प्राधिकारी उन्हें समान

सुविधाएं मुहैया नहीं कराते।

पीठ ने इस स्थिति को अमानवीय करार देते हुए कहा कि बिना सुरक्षा उपकरणों के सफाई करने वाले लोग सीवर और



मैनहोल में अपनी जान गंवा रहे हैं। वेणुगोपाल ने पीठ से कहा कि देश में नागरिकों को होने वाली क्षति और उनके लिए जिम्मेदार लोगों से निपटने के लिये अपकृत्य कानून बना नहीं है। ऐसी घटनाओं का स्वतः संज्ञान लेना का मजिस्ट्रेट को अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर झाड़ू लगा रहे या मैनहोल की सफाई कर रहे व्यक्ति के खिलाफकोई मामला दायर नहीं किया जा सकता, लेकिन ये काम करने का निर्देश देने वाले अधिकारी या प्राधिकारी को इसका जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

सीवर सफाई के दौरान हादसों में मजदूरों की दर्दनाक मौतों की खबरें लगातार आती रहती हैं। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में कुछ दिनों पूर्व सीवर टैंक की जहरीली गैस की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हो गई थी। कुछ माह पूर्व गुजरात के वड़ोदरा जिले के डभोई तहसील में एक होटल की सीवेजेज टैंक साफ़ करने उतरे सात मजदूरों की दम घुटने से

नहीं है कि अयोध्या विवाद सुलझने के बाद वैश्विक स्तर पर भी भारत की प्रतिष्ठा में अकल्पनीय वृद्धि हुई है। दुनिया को ये समझ में आने लगा है कि भारत में अपनी समस्याओं का हल करने की क्षमता के साथ कड़े और बड़े फैसले लेने की इच्छा शक्ति भी है। इस फैसले को राजनीतिक नफ़े-नुकसान के लिहाज से देखने वालों की तुलना उस भक्त से की जा सकती है जिसकी पूजा में भक्ति कम स्वार्थसाधना अधिक होती है। वहीं केंद्र सरकार पर तरह-तरह के आरोप लगाने वालों को ये समझ लेना चाहिए कि उसने लम्बित मामलों का हल करने का जो साहस दिखाया वह देश के दूरगामी हितों के मद्देनजर है। अयोध्या विवाद केवल हिन्दू-मुस्लिम समुदायों के बीच का झगड़ा न होकर तुष्टीकरण और छद्म धर्मनिरपेक्षतावाद का पोषक बनकर रह गया था। भगवान राम की जन्मभूमि में उनके जन्म को साबित करने के लिए देश की आजादी के पहले से चला रहा विवाद केवल मतदाताओं के ध्रुवीकरण तक सीमित नहीं रहा। दुर्भाग्य से स्वाधीनता मिलने के बाद भी ऐसे अनेक मामलों को निपटाने के प्रति दुर्लक्ष किया गया जो उस समय आसानी से हल हो सकते थे। खैर, जो हो गया सो हो गया। नये संदर्भों में अब देश को नए दृष्टिकोण सोच के साथ आगे बढ़ने पर विचार लगाने चाहिए और उसके लिए जरूरी है सोच को बदलना।

ये बात सही है कि राजनीति के बिना देश नहीं चलता किन्तु इसी के साथ ये भी मानना होगा कि केवल राजनीति से ही देश नहीं चलता। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद अयोध्या को लेकर चले लम्बे विवाद का अकलती हल हो जाना बहुत बड़ी सफलता है। इसके लिए किसी एक या कुछ लोगों की श्रेय देने की बजाय हर उस व्यक्ति, संस्था और राजनीतिक दल की प्रशंसा करनी चाहिए जिन्होंने अपने शक्तिशालक लाभ को दरकिनार रखते हुये देश के बारे में सोचा।

सर्वोच्च न्यायालय के पांचों माननीय न्यायाधीश अभिनंदन के पात्र हैं जिन्होंने बिना भय और पश्चापत के एक बड़ी समस्या का सर्वमान्य समाधान देश को दे दिया। लेकिन इसके बाद संतुष्ट होकर बैठ जाना भी ठीक नहीं होगा क्योंकि अभी छोटे- छोटे अनेक ऐसे मामले हैं जिनकी वजह से देश आये दिन मुसीबत झेलता रहता है।

वास्तव में बदलते दौर में नयी सोच, नयी दृष्टि और नये विचार के साथ परिष्कृत सोच और विशाल हृदय का परिचय देते हुए इसी तरह एक के बाद एक फैसले करने का ये सबसे सही समय है क्योंकि केंद्र में एक निर्णय लेने वाली सरकार के साथ ही जनमत भी पूरी तरह से रचनात्मक सोच से प्रेरित है। किसी देश के जीवन में ऐसे अवसर सौभाग्य से ही आते हैं। इन्हें गंवाने पर इतिहास हमें माफनहीं करेगा।

मौत हो गई थी। घटना की रात सात मजदूर एक होटल की सीवेज टैंक साफ़ करने के लिए उतरे थे। लेकिन टैंक सफाई के दौरान दम घुटने से उन सभी मजदूरों की मौत हो गई थी।

मई में उत्तर पश्चिम दिल्ली के एक मकान के सेप्टिक टैंक में उतरने के बाद दो मजदूरों की मौत हो गई थी। इस मामले में भी जांच में यह बात सामने आई थी कि सजदूर टैंक में बिना मास्क, ग्लव्स और सुरक्षा उपकरणों के उतरे थे। नोएडा स्थित सलारपुर में सीवर की खुदाई करते समय पास में बह रहे नाले का पानी भरने से दो मजदूरों की डूबने से मौत हो गई थी। गत वर्ष पश्चिम प्रदेश राज्य के चित्तूर जिले के पालमनेरू मंडल गांव में एक गटर की सफाई करने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से सात लोगों की मौत हो गयी थी। देश के विभिन्न हिस्सों में हम आये दिन इस प्रकार की घटनाओं से सम्बन्धित खबरें समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले एक वर्ष में सीवर की सफाई करने के दौरान 200 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। इस अमानवीय त्रासदी में मरने वाले अधिकांश लोग आसन्न प्रदेश राज्य के निवासी हैं। इस कारण इनके मरने पर कहीं विरोध दर्ज नहीं होता है। देश में 27 लाख सफाई कर्मचारी हैं जिसमें 20 लाख ठेके पर काम करते हैं। एक सफाईकमी की औसतन कमाई 6 से 10 हजार रुपये प्रति माह होती है। आधे से ज्यादा सफाई कर्मी अनेको बिमारियों से पीड़ित होते हैं। इस कारण 90 फीसदी गटर-सीवर साफ करने वालों की मौत 60 वर्ष की उम्र से पहले ही हो जाती है। इस कार्य को करने वालों के लिये बीमा की भी कोई सुविधा नहीं होती है।कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सीवर की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाईन के नक्शे, उसकी गहराई से सम्बंधित आंकड़े होना चाहिए।

लघु कथा

वह बुरी तरह नाकामयाब है। बोर्ड मीटिंग से लौटकर उन्हें हमसूस हुआ। उस प्रोजेक्ट पर बहुत मेहनत की थी। लेकिन...! 'नाकामयाबी से बेहतर मुझे निराश होना लाता है। यानी हमने कोशिश की, लेकिन आस पूरी नहीं हुई।' यह कहना है डॉ फिज जॉर्जसी का। वह मशहूर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट है। वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से भी जुड़े रहे हैं। उनकी चर्चित किताब है, अंडरस्टैंडिंग आवरसेल्फ्य एंड अदर्स। हम जब खुद को नाकामयाब कहते हैं, तो एक तरह से झोप रहे होते हैं। हम जब खुद को निराश कहते हैं, तो बिल्कुल अलग तरह से सोचते हैं। नाकामयाबी में कोशिश का हिस्सा कम हो सकता है। निराशा तो होती ही तब है, जब हम कोशिश करने के बावजूद किसी पड़ाव पर नहीं पहुंच पाते। अगर हमने कोशिश की है, तो हमें खुद

आज का इतिहास

नयी दिल्ली । भारतीय एवं विश्व इतिहास में 18 नवंबर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1727- महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। 1738- फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर। 1772- पेशवा माधवराव प्रथम के छोटे भाई नारायणराव ने गद्दी संभाली। 1901- फ्लिमशर, निर्देशक और अभिनेता वी शांताराम निर्देशक का जन्म। 1909- अमेरिका ने निकारागुआ पर हमला किया। 1910- भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त का जन्म। 1918- उत्तरपूर्वी यूरोपीय देश लातविया ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की। 1948- बिहार की राजधानी पटना के निकट स्टीमर दुर्घटना में पांच सौ लोग डूबे। 1956- मोरक्को ने स्वतंत्रता हासिल की। 1959- आईएसएस विराट को ब्रिटिश रॉयल नेवी में कमीशंड किया गया।

आज हर देश मेरे देश को

आज हर देश मेरे देश को निहारता। भारत एकता अखंडता की मिसालहै। लटकाने भटकाने का यहाँ काम नहीं। सबके सुखदुख का मित्रो सबको खयाल है।- **राजकुमार शर्मा**

रिशतों का अंत होते ही

रिशतों का अंत होते ही एक दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल होने वाली भाषा का विष मय होना विस्मयकारी है।यह भी ध्यान नहीं कि अभी चार दिन पहले तक हम साथ साथ थे।क्या हम तब भी मुंह मे राम रखकर बगल में छुरी लिए हुए थे जब कलुषित भावनाओं से रिश्ता बनता है तब उसका ऐसा ही अंत होता है।- **प्रमोद अग्रवाल**

पहले तुम शायरी इसलिए भेजते

पहले तुम शायरी इसलिए भेजते थे कि चाहने लों और अगर शायरी इस लिए भेजते हो कि चाहती रहूँ पहले शायरी भेजने में प्यार बसा था और अब शायरी से मुझे खुश रख सकने की भावना समय के साथ बहुत कुछ बदल जाता है भावनाएँ भी।- **अर्चना खण्डेलवाल**

फकीर हूं तभी तो

फकीर हू तभी तो फकीरों में हू गुमान तो कतेह नहीं रखता दिखावे की जिंदगी का बांट सको जो दुसरो का दर्द यही जिंदगी है रह सको खड़े हमराही बनकर यही जिंदगी है बस चंद लम्ही की जिंदगी है यारो क्या तेरा और मेरा हैं मत हो परेशान खुद के दर्द को देखकर बस इतना ही समझ लो दुसरो के दर्द से दर्द कम मेरा हैंन जाने कब वक्त का सेवरा है क्या तेरा और मेरा हैं फकीर हूं तभी तो फकीरों में हूं।- **सोन् कुमार आकाश**



न्यूज गैलरी

घर में अकेला पाकर बिगड़ी रिश्तेदार की नीयत, किया दुष्कर्म

रायपुर (नवप्रदेश)। घर में महिला अकेला देखकर मौसा ने महिला को जबरन डरा धमकाकर शारीरिक संबंध बनाया। घटना की रिपोर्ट टिकरापारा थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ नगर टिकरापारा रायपुर निवासी प्रार्थियां 35 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 16 नवंबर को प्रार्थिया के मौसा लगने वाले रिश्तेदार अजय कपटवार निवासी बेरियाखुर्द टिकरापारा ने घर में अकेला देखकर डरा धमकाकर शारीरिक संबंध बनाया। घटना की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने बलात्कार का मामला दर्ज कर धारा 376, 506 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

जल्दबाजी में किया सिग्नल जंप, दो हाईवा से टकराए

रायपुर(नवप्रदेश)। सिग्नल जंप करने के चक्कर में दो मोटरसाइकिल सवार हाईवा की चपेट में आ जाने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है वहीं दूसरे व्यक्ति को मामूली चोट आई है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा तिराहा के पास जल्दबाजी के चक्कर में स्कूटी सवार व मोटरसाइकिल सवार सिग्नल जंप करते समय हाईवा ट्रक की चपेट में आ गये। मोटरसाइकिल सवार बाईक से कुद जाने के चलते उसे मामूली चोट आई है वहीं एकटीवा सवार हाईवा वाहन के नीचे आ जाने से एकटीवा व मोटरसाइकिल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है व एकटीवा सवार को गंभीर चोट आई है। तेलीबांधा पुलिस ने हाईवा क्रमांक सीजी 04 डीजे 7883 के चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 279,337 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

मवेशी से टकरा कर गिरे बाइक सवार, एक की मौत

रायपुर। मोटरसाइकिल से जा रहे युवक की मवेशी से टकराने के चलते उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच के बाद मृतक के खिलाफ मर्मा कायम कर मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार स्वयं की मोटरसाइकिल हीरो होंडा से जाते समय मेन रोड कोनारी के पास मवेशी से टकरा जाने के कारण राजेश वर्मा 45 वर्ष पिता हरिश्चंद्र वर्मा व गजानंद साहू घायल हो गये थे। उन्हें इलाज के लिए सरकार अस्पताल तिल्दा में भर्ती किया गया था जहां राजेश वर्मा की मौत हो गई। वहीं गजानंद साहू का इलाज चल रहा है।

शोभायात्रा...



रायपुर (नवप्रदेश)। महामाया मंदिर में आयोजित भागवत कथा के लिए निकली कलश शोभायात्रा।

शहरी सरकार बनाने सियासी दलों में होगी प्रतिष्ठा की जंग

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। नगरीय निकायों चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयारियां अंतिम चरणों में हैं, इंतजार है तो अब बस चुनाव की तारीखों की घोषणा का। चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर घमासान शुरू हो जाएगा।

राज्य में इस बार भी नगरीय निकायों के चुनाव दो से तीन चरणों में होने की संभावना है। संभवतः चुनाव 22 से 27 दिसंबर के बीच हो सकता है। चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा लगभग तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। इसके बाद अब राजनीतिक दलों सहित प्रदेश के लोगों को इंतजार है तो बस चुनाव की तारीखों की घोषणा का। तारीखों की



घोषणा होने के साथ कांग्रेस, भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर घमासान भी शुरू हो जाएगा। हालांकि कांग्रेस ने तय कर लिया है कि पिछले बार नगरीय निकायों में हुए चुनाव में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए भूपेश बघेल ने जो टिकट वितरण की प्रक्रिया अपनाई थी उसी के आधार पर इस बार भी टिकट बांटी जाएगी। इसके लिए कांग्रेस जिला, वार्ड एवं ब्लॉक स्तर पर कमेटीया बनाने का निर्णय लिया है। चुनाव की

तारीखों के ऐलान के बाद कांग्रेस तीनों स्तर पर कमेटीयों की सूची जारी कर देगी, जिसके आधार पर ही टिकट बांटी जाएगी। इधर भाजपा को भी चुनाव के ऐलान का इंतजार है। इसके बाद भाजपा में भी टिकट को लेकर घमासान मचेगा। कांग्रेस और भाजपा ऐसी दो राष्ट्रीय पार्टी है जिनमें टिकट को लेकर हमेशा घमासान देखने को मिलता है। क्योंकि इन पार्टियों में उम्मीदवारों की संख्या अधिक होती है ऐसे में पार्टी द्वारा टिकट वितरण के बाद नाराज उम्मीदवारों के समर्थकों द्वारा अलग-अलग तरीके से पार्टी के पदाधिकारियों के सामने नाराजगी जताते हैं। नाराज उम्मीदवारों के कारण पार्टी को कई जगह हार का सामना भी करना पड़ता है। फिलहाल सभी को चुनाव की तारीखों की घोषणा का बेसब्री से इंतजार है।

मचेगा फिर राजनीतिक दलों में टिकट को लेकर घमासान

झारखंड विस चुनाव : मंत्री डहरिया और विधायक उपाध्याय पर्यवेक्षक बनाए गए

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ से नगरीय प्रशासन मंत्री शिव कुमार डहरिया

और रायपुर पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय को पर्यवेक्षक बनाया है। झारखंड चुनाव के लिए एआईसीसी ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री शिव कुमार डहरिया और रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के युवा विधायक

विकास उपाध्याय को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए पर्यवेक्षक बनाया है। दोनों नेता झारखंड विधानसभा चुनाव में चुनावी कार्यक्रमों को संपन्न कराने का काम करेंगे।

युवा कांग्रेस का सोशल मीडिया वर्कशॉप आयोजित

रायपुर। युवा कांग्रेस द्वारा रविवार को एक निजी होटल में सोशल मीडिया वर्कशॉप आयोजित किया गया। इसमें युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी डॉ. चंदन यादव भी शामिल हुए।



पति को गे-सेक्स करते बीवी ने रंगे हाथों पकड़ा, पुलिस से शिकायत

द्वु सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 25 लाख देहेज देकर 4 साल पहले हुई थी शादी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी में अजीबों-गरीब मामला सामने आया है जिसमे एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों की कुछ अजीब सी शिकायत की है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने साफ कहा है कि, उसका पति गे है। शादी को चार साल हो चुके हैं लेकिन एक बार भी उसने सम्बंध नहीं बनाए।

मिली जानकारी के अनुसार महिला ने अपने सॉफ्टवेर इंजीनियर पति और ससुराल

वालों के खिलाफ थाने में शिकायत में बताया है की 2015 में पुणे में उसकी शादी हुई थी। शादी में ससुराल वालों ने 25 लाख रुपये और अन्य गृहथी के सामान भी बतौर देहेज लिए थे। शादी के बाद जब दोनों हमीमून के लिए मनाली गए तो पति ने चिकनपांक्स की बिमारी का बहाना बनाकर उसके साथ सम्बन्ध बनाने से इंकार कर दिया। शादी के कुछ दिन बाद ही काम का बहाना बनाकर वह अपने एक दोस्त के साथ जर्मनी चला गया और लगभग नौ महीने बाद वापस लौटा।

लेकिन इस बार भी उसने महिला के साथ सम्बन्ध नहीं बनाया तो महिला ने इसकी

शिकायत अपनी सास से की। सास ने बताया की उसे सेक्स सम्बन्धी बिमारी है जिसका इलाज चल रहा है। जल्दी ही वह ठीक हो जायेगा। एक दिन जब महिला अचानक अपने घर पहुंची तो अपने पति को अपने दोस्त के साथ आपत्तिजनक हालत में देखकर चौंक गयी। महिला ने जब मामले की छानबीन की तो पता चला की उसके पति का दोस्त भी शादी शुदा है लेकिन उसकी भी कोई संतान नहीं है। दोनों के बीच शारीरिक सम्बन्ध है। यही नहीं वह महिला की फोटो लगाकर लड़को से अश्लील बातें करता है। महिला की शिकयत पर अब पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ कैट का धरना 20 को, 25 को

द्वु 10 जनवरी तक जन समर्थन जुटाने में लगा कैट

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। कानफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन (कैट) द्वारा ऑन लाइन बिक्री के जरिए ग्राहकों को गुमराह कर गुणवत्ताहीन सामग्री आकर्षक छूट के साथ बेचने का मायाजाल रचाया गया है। जिसके चलते आम उपभोक्ता छूट के चक्कर में लगातार लूट रहा है। वहीं ऑनलाइन कंपनियों के व्यापार से उपभोक्ता को कोई विशेष लाभ नहीं हो रहा है। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी के अनुसार ऑनलाइन व्यापार से कई बार

ग्राहकों के ठगे जाने की जानकारी भी उन्हें मिलती रही है। ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ कैट ने 13 नवंबर से 20 जनवरी के बीच आम लोगों से एवं व्यापारिक संगठनों से जन समर्थन जुटाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कैट के द्वारा 20 नवंबर को व्यापारिक संगठनों के साथ महाधरने का आयोजन किया गया है। महाधरने के आयोजन के पश्चात व्यापारिक संगठन शहर में विशाल रैली 25 नवंबर को निकालकर केंद्रीय वाणिज्यमंत्री एवं केंद्रीय वित्तमंत्री को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन कर्पनियों द्वारा मूल व्यापार की कमर तोड़ने के खिलाफ ज्ञापन सौंपेंगे।

अमर पारवानी ने बताया कि 2

दिसंबर को पूरे देश भर में राज्यों की राजधानी में रैली आयोजित कर संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन व्यापार बंद करने की अपील की जाएगी। वहीं 11 दिसंबर को देश भर के व्यापारिक संगठन दिल्ली में विशाल रैली निकालकर वित्तमंत्री वाणिज्यमंत्री प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन टगी के खिलाफ मांग करेंगे। साथ ही 50 व्यापारिक संगठनों द्वारा 6 से 8 जनवरी के मध्य दिल्ली में व्यापारिक अधिवेशन का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी संगठनों के प्रतिनिधियों से पारवानी ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

सम्मान...



रायपुर (नवप्रदेश)। विकासखंड स्तरीय युवा महोत्सव वर्ष 2019-20 का आयोजन शास. उ.मा. वि. परसतराई, धरसीवा में संपन्न हुआ। धरसीवा ब्लॉक के 85 स्कूल के छात्र-छात्राये एवं शिक्षक शामिल हुए। लोकगीत, लोकनृत्य, तबला, हारमोनियम, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के तहत प्रतियोगी ने प्रदर्शन किया। विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि धरसीवा विधानसभा विधायिका की श्रीमती अनिता योगेन्द्र शर्मा थी। प्राचार्य डॉ. नीलिमा शर्मा एवं कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. मोना शर्मा एवं अन्य स्टॉफ को अपनी सहभागिता प्रदान करने के कारण विधायिका महोदया द्वारा इन्हें सम्मानित भी किया गया।

सतनामी समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन 24 को

रायपुर (नवप्रदेश)। सतनामी समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन आगामी रविवार 24 नवंबर को शहीद स्मारक भवन जीई रोड में आयोजित किया गया है। सतनामी समाज उत्थान समिति के सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 नवंबर तक पंजीयन होगा। तत्पश्चात 24 नवंबर को सुबह 9 बजे से आने वाले प्रतिभागियों के लिए पंजीयन प्रारंभ हो जाएगा। उन्हीने बताया कि छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य प्रदेशों से भी बड़ी संख्या में युवक युवती परिचय सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया है। युवक युवती परिचय सम्मेलन के दौरान समाज के प्राविण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियों का एवं राज्य शासन तथा अन्य सेवाओं में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य करने वालों का सम्मान किया जाएगा। रात्रि 7 बजे से पंडवानी सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

पत्रकार सुरक्षा कानून के प्रारूप पर चर्चा आज

द्वु समिति अम्बिकापुर में पत्रकारों, पत्रकार संगठनों एवं आम नागरिकों से लेगी सुझाव

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा के लिए शीघ्र पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होगा। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्री आप्ताब आलम की अध्यक्षता में गठित समिति ने प्रस्तावित कानून का प्रारूप तैयार कर लिया है और इस पर पत्रकारों, पत्रकार संगठनों तथा आमजनों से चर्चा कर सुझाव प्राप्त करने के लिए समिति 18 नवम्बर को अम्बिकापुर का दौरा कर इस संबंध में सुझाव प्राप्त करेगी। समिति के अलावा कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था पत्रकार सुरक्षा कानून के प्रारूप के संबंध में अपना सुझाव देना चाहते हैं वे संबंधित जिले के

जिला जनसम्पर्क अधिकारी के पास 18 नवम्बर तक इस संबंध में अपना लिखित सुझाव जमा कर सकते हैं। जिला जनसम्पर्क अधिकारी प्राप्त सुझावों को समिति के समक्ष प्रस्तुत कर देंगे। इसके अलावा जनसम्पर्क संचालनालय की मेल आईडी डीपीआरसीजीएच एट दे रेट ज़ीमेलडॉटकॉम पर भी सुझाव मेल कर सकते हैं। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ पत्रकार सुरक्षा कानून का हिन्दी और अंग्रेजी प्रारूप जनसम्पर्क संचालनालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट डीपीआरसीजीएच .जी.ओव्ही.इन उपलब्ध है। किसी प्रकार शंका की दशा में अंग्रेजी रूपांतरण मान्य होगा। समिति 18 नवम्बर को अम्बिकापुर पहुंचेगी और दोपहर 12.30 बजे से 1.30 बजे तक पत्रकार और पत्रकार संगठनों से तथा दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे तक आम नागरिकों से चर्चा कर सुझाव प्राप्त करेगी।

सामाजिक बहिष्कार, हुक्का पानी बन्द करने की कुरीति खत्म हो : डॉ .दिनेश मिश्र

सामाजिक बहिष्कार के खिलाफ बने कानून

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ.दिनेश मिश्र ने कहा सामाजिक बहिष्कार कर हुक्का पानी बन्द करने की कुरीति का खतम होना आवश्यक है,इस के लिए एक सक्षम कानून का बनाया जाना भी आवश्यक है सरकार को इस हेतु पहल करनी चाहिए। डॉ. दिनेश मिश्र ने बताया कि मुगेली जिले के एक ग्राम घटोलोपारा से सामाजिक बहिष्कार का एक मामला सामने आया है ,जिसमे समाज के हुक्मरानों और गांव के दबंगों ने संतन निर्मलकर और उसके परिवार की ज़िंदगी नरक बना दी है. स्थिति यह है कि दाने-दाने को मोहताज संतन निर्मलकर का परिवार पिछले 2 साल से समाज और गांव से बहिष्कृत होकर अपने के बीच रहकर भी बेगाने की ज़िंदगी जीने को मजबूर है. गांव में ना तो कोई उससे बात करता है और ना ही गांव के दुकानदार उन्हें जरूरत का सामान



देता है.

यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं बल्कि मुगेली जिले के साकेत चौकी अंतर्गत घटोली पारा निवासी संतन निर्मलकर और उसके परिवार की असल ज़िंदगी की सच्चाई है, जो अपनों के बीच रहकर भी अपनों से दूर होकर बहिष्कृत का जीवन यापन कर रहा है. संतन निर्मलकर और उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ तब टूट पड़ा जब उसके जवान

बेटे की 2 साल पूर्व सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. आर्थिक तौर पर सक्षम नहीं होने की वजह से संतन मृत्युभोज नहीं करा सका था.

इस पर समाज के एक व्यक्ति की संतन के भाई से बातचीत हुई. बीच-बचाव करने पहुंचे संतन निर्मलकर पर तथाकथित लोग मृत्युभोज नहीं कराने का आरोप लगाते हुए जमकर बरसेन लगे. देखते-देखते बातचीत ने विवाद

का रूप ले लिया. इसके बाद तथाकथित समाज के हुक्मरानों और गांव के दबंगों ने दण्ड स्वरूप तुगलकी फरमान जारी करते हुए उसे और उसके परिवार को समाज और गांव से बहिष्कृत कर हुक्कापानी ही बंद कर दिया. तब से लेकर आज तक संतन का परिवार बहिष्कार का जीवन जीने को मजबूर है.

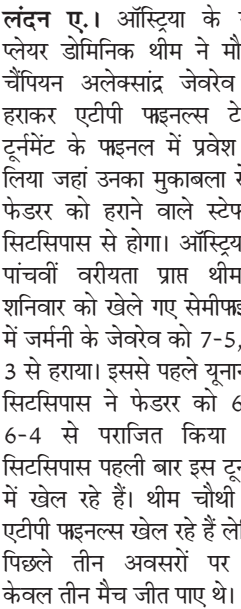
संतन बताते है कि गांव में इस तुगलकी फरमान का असर इस कदर हावी है कि उसे और उसके परिवार वाले से गांव का कोई व्यक्ति ना तो बातचीत करता है और ना ही कोई व्यक्ति उसे गांव में काम देता है. इतना ही नहीं गांव के किराना दुकानदार भी उन्हें और उनके परिवार को समान नहीं देता. बीच में कुछ दुकानदारों और कुछ लोगों ने उनसे बातचीत करने की जरूरत कोशिश की. मगर तथाकथित लोगों ने उन्हें भी आर्थिक रूप से दौंड कर दिया. अब उसे रोजी रोटी व जरूरत के सामान के लिए पड़ोसी गांवों पर

निर्भर रहना पड़ता है.

सन्तन का कहना है कि लंबे समय से बहिष्कृत का दर्श झेलते झेलते अब उनके और उनके परिवार में सहन शीलता खत्म हो चुकी है. सन्तन के परिवार वालों का भी कहना है कि न्याय की आस लिए उनके द्वारा प्रशासन एवं पुलिस से भी गुहार लगाई मगर आश्वासन के अलावा हुआ कुछ नहीं. यही वजह है कि अब थक हार कर उनके सामने आत्महत्या जैसे आत्मघाती कदम उठाने के सिवाय और कोई रास्ता नहीं दिख रहा.

डॉ.दिनेश मिश्र ने कहा इस मामले पर पुलिस एवं प्रशासन को त्वरित कार्यवाही करनी चाहिए ,वही सरकार को सामाजिक बहिष्कार के खिलाफसक्षम कानून बनाना चाहिए ताकि प्रदेश के हजारों बहिष्कृत परिवारों को न केवल न्याय मिल सके ,बल्कि वे समाज मे सम्मानजनक ढंग से जी सके।





न्यूज गैलरी

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित रेलवे क्रांटर हबीबगंज के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक रविकुमार (30) पिता चरण सिंह बताया जा रहा। घटना स्थल पर कुछ लोगों का कहना है कि मृतक युवक सांची में काम करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये हमीदिया अस्पताल भेज दिया है। मृतक युवक की पहचान की जा रही। बीते शनिवार को भी राजधानी के बैरागढ़ थाने क्षेत्र में रेलवे फाटक के पास एक अज्ञात व्यक्ति चलती ट्रेन से गिरने की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि ट्रेन से गिरने के बाद अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बैरागढ़ थान पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात व्यक्ति की जानकारी होने पर बैरागढ़ थाने में सूचित करें। मृतक शव को हमीदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

भिंड में पिटाई से युवक की मौत, सतना में डकैत साधना पटेल गिरफ्तार

भोपाल, भिंड, सतना। भिंड में दबंगों की पिटाई से एक युवक की मौत हो गई, इससे आक्रोशित परजनों ने अटैच रोड पुलिया पर उसका शव रखकर चक्काजाम कर दिया। उन्होंने दबंग आरोपियों को जल्द पकड़ने और सुरक्षा देने की मांग की। विधायक सजीव कुमार कुशवाह भी चक्काजाम में बैठे रहे। 9 नवंबर को अशोक नगर में दबंगों ने लाटियों युवक को जमकर पीटा था। इलाज के दौरान शनिवार को उसके ग्वालयर के अस्पताल में दम तोड़ दिया था। आक्रोशित लोगों ने इस दौरान टायर में आग भी लगा दी। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने जाम की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर भिंड जिले में पुलिस विभाग में एक बड़ा फेरबदल हुआ है। एसपी रुडोल्फ अवल्वारस ने गोहद टीआई तिमेश छत्री को लाइन अटैच कर दिया है, इनकी जगह पर अशोक इक्का को थाना प्रभारी बनाया गया है। टीआई गंगोलिराम खेर अटैर की कमान सौंपी गई है। उप निरीक्षक सिटी कोतवाली से सोनम शर्मा, गोहद से कमलकांत दुबे को अटैर भेजा गया है। अनीता गुर्जर को पुलिस लाइन से पावर्ड भेजा गया। साईबर सेल से चन्द्रप्रकाश चौहान को पुलिस लाइन, नागेश शर्मा को गोहद थाना भेजा गया।

सतना में डकैत साधना पटेल के गिरफ्तार होने की खबर

सतना पुलिस द्वारा डकैत साधना पटेल को गिरफ्तार होने की खबरें सामने आ रही है। इस मामले में सतना पुलिस अधीक्षक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी जानकारी देंगे। बताया जा रहा है कि मझगवां थाना पुलिस ने डकैत को गिरफ्तार किया है, उस पर कई मामलों में अपराध दर्ज होने की बात सामने आ रही है। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी।

रीवा में ट्रक से बड़ी मात्रा में जल हुए नशीला कफ सिरप

रीवा जिले में मुखबिर की सूचना पर मनगवां पुलिस ने एक ट्रक में ले जाए जा रहे 70 पेटी नशीले कफ सिरप को आमी पुल के पास पकड़ा। बताया जाता है कि उक्त ट्रक में लोड होकर बनारस से रीवा की ओर नशीली कफ सिरप की खेप जा रही थी। इसके पहले ही मनगवां पुलिस को किसी ने सूचना दे दी। पुलिस ने रास्ते में ही रोककर रविवार सुबह ट्रक को जप्त कर लिया। पुलिस ने इस मामले में ट्रक ड्राइवर सहित अन्य दो लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही इस मामले में जांच जारी है।

क्या अब भाजपा के स्टार नहीं शिवराज सिंह ? झारखंड की स्टार प्रचारकों की सूची से मध्यप्रदेश गायब, नरेंद्र सिंह, थावरचंद भी शामिल नहीं

क्या दिल्ली नेतृत्व की दूरियां बढ़ रही हैं पूर्व मुख्यमंत्री से

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। एक जमाना था जब भाजपा के स्टार नेताओं की लिस्ट में शिवराज सिंह चौहान नुमाया हुआ करते थे। यह उनके रसूख का ही कमाल था कि जब भाजपा के सबसे मजबूत संसदीय बोर्ड में नरेंद्र मोदी को शामिल करने की बात उठी तो उनके साथ शिवराज सिंह चौहान को भी बोर्ड में लाया गया। लेकिन अब राजनीति का दूसरा वक्त भी है। जो नेता भाजपा के भीतर



संभावनाओं का नेता माना जाता रहा है, उसे ही अब पार्टी के भीतर दरकिनार करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। झारखंड चुनावों के लिए जारी की गई स्टार प्रचारकों की सूची से शिवराज सिंह चौहान का नाम गायब है। शिवराज के साथ पूरे मध्यप्रदेश को भी इससे दूर रखा गया है। सूची में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और संसदीय बोर्ड के दूसरे

मजबूत दावेदार को कमजोर रखने की कोशिश

अगर भाजपा के अंदरूनी सूत्रों की मानें तो शिवराज सिंह चौहान को भाजपा चुनाव प्रचार में नहीं बुलाना चाहती थी, इसीलिए मध्यप्रदेश के दूसरे सभी नेताओं को भी सूची से बाहर रखा। इसके साथ ही बाकी दोनों राज्यों के पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी जगह नहीं दी गई। इतना ही नहीं, भाजपा का एक धड़ा शिवराज के अंदर भविष्य की संभावनाएं देखता है। यही वजह है कि उन्हें कमजोर करने की कोशिशें लगातार हो रही हैं। मध्यप्रदेश में भी उन्हें लगातार उपेक्षा का शिकार बनाया जा रहा है। यह बात और है कि वह अपने स्तर पर लगातार मेहनत कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं के बीच में जाकर सरकार से लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा शिवराज सिंह चौहान की भूमिका पार्टी संगठन चुनावों में भी सीमित रखना चाहती है, जिससे केंद्रीय नेतृत्व को अपने निर्णय में किसी भी तरह की परेशानी न हो। कुल मिलाकर शिवराज की संभावनाओं का शिकार करने की रणनीति एक पक्ष की ओर से बनती हुई नजर आ रही है।

सदस्य थावरचंद गहलोत को भी जगह नहीं मिल पाई है। इस घटना को शिवराज और केंद्रीय नेतृत्व के बीच में बदलते रिश्तों से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल, झारखंड में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा ने अपने पहले चरण के चुनाव प्रचार के लिए अपनी स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के तीनों पूर्व मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे और रमन सिंह को जगह नहीं मिली है। जबकि शिवराज सिंह चौहान भाजपा के सबसे मजबूत माने जाने वाले संसदीय बोर्ड के सदस्य भी हैं। इसी बोर्ड के दूसरे सदस्य थावरचंद गहलोत को भी जगह नहीं मिली है, शेष सभी सदस्य स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं। हालांकि महाराष्ट्र चुनाव की सूची में शिवराज समेत तीनों राज्यों के

भोपाल में घुस आया बाघ, वन विभाग की फेंसिंग को धत्ता बताकर किया शिकार!

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित चंदनपुरा में एक बार फिर बाघ का आतंक शुरू हो गया है। इसका कारण इस गांव में आकर बाघ द्वारा एक शिकार किया जाना है। दरअसल केरवा के पास स्थित चंदनपुरा गांव के पास लगी वन विभाग की फेंसिंग अपना असर दिखाने में कामयाब नहीं रही। ऐसे में गांव में बाहर से आए एक बाघ ने यहां आकर एक गाय को अपना शिकार बना लिया है, जिसके चलते रविवार को गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

बाघ जो हमेशा रहते है भोपाल के आसपास...

राजधानी भोपाल में जंगली जानवरों का आना खास बात नहीं है, क्योंकि यहां कई बार जंगली



जानवरों को शहर के अंदर तक देखा जा चुका है। वहीं जहां तक बाघ की बात है, तो यहां शहर के बाहर चारों ओर बाघों का आना जाना लगा ही रहता है। अभी कुछ समय पहले ही रातापानी वन्यजीव अभयारण्य में बाघों की आबादी 50 (वयस्क-अवयस्क मिलाकर) से ज्यादा हो गई। जिसके बाद इन बाघों ने भोपाल से सटे जंगल में अपनी टेरेटरी बना ली। बीते महीनों में यहां बाघ टी-

1 और बाघिन टी-21 समेत एक दर्जन बाघों का मूवमेंट बढ़ा है। वन्यप्राणी विशेषज्ञ इसकी वजह रातपानी वन्यजीव अभयारण्य में बाघों की तेजी से बढ़ती आबादी को बता रहे हैं। वहीं जो जानकारी समाने आ रही है उसके अनुसार भोपाल की तरफ जिस हिसाब से बाघों का मूवमेंट बढ़ता जा रहा है, उस हिसाब से वन विभाग की तैयारी काफी कम है। ऐसे में ये स्थिति

बाघ मानव और बाघ दोनों के लिए खतरनाक बनी हुई है।

वहीं कुछ समय पहले ही दो नए बाघों को भोपाल से सटे केरवा, कलियासोत, मेंडोरा और कठौतिया के जंगल में देखा गया था। हालांकि बाद में ये बाघ वापस रातापानी की तरफ चले गए। इसके पहले बाघ टी-1, बाघिन टी-2, बाघिन टी-21 व दूसरे बाघ भी आ चुके हैं। जबकि ये बाघ व बाघिन कुछ समय पहले भोपाल का जंगल छोड़ चुके थे। बाघों का भोपाल की तरफ आने को लेकर वन्यप्राणी विशेषज्ञों का मानना है कि कहीं न कहीं रातापानी के जंगल में बाघों की आबादी तेजी से बढ़ी है। इस हिसाब से प्रति बाघ जंगल का दायरा कम होता जा रहा है। इसके कारण बाघ भोपाल की तरफ बढ़ रहे हैं।

बालिका वधू बनने से वची 14 वर्षीय लड़की, 21 साल के युवक से होने वाली थी शादी

नवप्रदेश संवाददाता

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में रविवार को प्रशासन के वक्त रहते हरकत में आने से 14 साल की लड़की बालिका वधू बनने से बच गई। महिला और बाल विकास विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिले के केलोद कांकड़ गांव में इस नाबालिग लड़की की शादी 21 वर्षीय युवक से 20 नवंबर को होने वाली थी। मामले की सूचना मिलने पर प्रशासन तथा पुलिस की टीम लड़की के घर पहुंची और शादी की रस्में रूकवाईं। उन्होंने बताया कि प्रशासन के कानूनी कदम उठाने की चेतावनी देने पर लड़की के परिजन उसका बाल विवाह रोकने को राजी हो गए। उनसे बाकायदा शपथ पत्र लिया गया कि वे अपनी संतान को तब तक शादी के बंधन में नहीं बांधेंगे, जब तक वह पूरे 18 साल की नहीं हो जाती।

इंदौर का पोहा-जलेबी खाकर फंस गए भाजपा सांसद, दिल्ली में गौतम गंभीर के लगे ऐसे पोस्टर

क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गौतम गंभीर दिल्ली से भाजपा सांसद हैं।

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। इंदौर के पोहा और जलेबी की बात हो कुछ और है। क्या आम और क्या खास ये इंदौरी पोहा और जलेबी है ही ऐसी की सभी को अपने स्वाद का दीवाना बना लेती है। लेकिन भाजपा सांसद गौतम गंभीर के लिए इंदौर का पोहा और जलेबी अब मुसीबत बन गया है। इंदौर की जायकेदार जलेबी का स्वाद गौतम गंभीर ने क्या लिया राजनीति शुरू हो गई है। सियासी हो हल्ल मच गया और देश की राजनीति दिल्ली में गौतम गंभीर के



लापता होने के पोस्टर लग गए। पोस्टर में गौतम गंभीर का आखिरी पता इंदौर लिखा गया है।

लापता के लगे पोस्टर

रविवार सुबह आईटीओ इलाके में जगह-जगह में गौतम गंभीर के लापता हो जाने के पोस्टर चिपके हुए नजर आए। दिल्ली में भाजपा सांसद गौतम गंभीर के

लापता होने के पोस्टर पेड़ों में भी लगाए गए हैं। इस पोस्टर में लिखा है कि- क्या आपने इन्हें कहीं देखा है? आखिरी बार इन्हें जलेबी खाते हुए इंदौर में देखा गया था। पूरी दिल्ली इन्हें ढूँढ रही है। बता दें कि भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के पहले मैच में गौतम गंभीर इंदौर में कमेंट्री करने पहुंचे थे।

तल्लीगी इज्तिमा 22 नवम्बर से आलमी तल्लीगी इज्तिमा , तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मंत्री...

चार दिन दूर आलमी तब्लीगी इज्तिमा, 10 लाख लोगों का इंतजाम

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजधानी के ईंटखेड़ी में होने जा रहे आलमी तब्लीगी इज्तिमा की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इसका जायजा लेने के लिए धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री पीसी शर्मा, सभी विभागों के अधिकारी पहुंचे। इनसे पहले शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी सहित कई लोग पहुंचे। इज्तिमा की इंतजामिया कमेट्री के मुताबिक इसमें शिरकत करने करीब 10 लाख लोग पहुंचेंगे।

इज्तिमा की तैयारियों में इंतजामिया कमेट्री के साथ कई सरकारी विभाग भी



जुटे हैं। शनिवार दोपहर तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मंत्री पीसी शर्मा ने

इंतजामों का जायजा लेने के साथ अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से ईंटखेड़ी इज्तिमा स्थल आने-जाने की लोकल परिवहन व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग और सुरक्षा के सभी इंतजाम सुनिश्चित किये जाएं। श्रद्धालुओं के ठहरने सहित अन्य व्यवस्थाओं को भी समय पर पूरा कराया जाए। निरीक्षण के दौरान इज्तिमा आयोजन कमेट्री के पदाधिकारी, आयुक्त नगर निगम विजय दत्ता सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शहर काजी भी पहुंचे जायजा लेने

शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी भी इज्तिमा स्थल ईंटखेड़ी पहुंचे। दोपहर में इन्होंने इंतजाम का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इज्तिमा का मुख्य उद्देश्य लोगों को भलाई के रास्ते पर चलने की शिक्षा देना है। पिछले 7 दशक से ये सिलसिला चल रहा है। बुराईयों से लोगों को बचाने और भलाई के काम करने के लिए यहां कई उलेमा की तकरीर होगी। इज्तिमा आयोजन कमेट्री के अतीक उल इस्लाम ने बताया कि यहां आने वाले लोगों को ठहरने के

इंतजाम से लेकर पार्किंग व्यवस्था की तैयारियां लगभग पूरी हो गईं। इसमें सभी विभागों का सहयोग मिल रहा है।

चार दिन रहेगा आयोजन, पहले दिन होगा इज्तिमाई निकाह

आलमी तब्लीगी इज्तिमा का आगाम 22 नवम्बर को सुबह फजिर की नमाज के साथ होगा। इसके बाद उलेमा के बयान और तकरीर होगी। चार दिन के इस आयोजन में इसी दिन इज्तिमाई निकाह होगा।